(लाख रुपये)

परियोजना का नाम	विश्व बैंक द्वारा कुल वित्तीय सहायता	सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र के लिए वित्तीय सहायता	प्रभावी बंद होने की तारीख	टिप्पणी
एकीकृत पनधारा विकास परियोजना (मैदानी)	3977.32	2007.35	28.02.91 31.03.98	
राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना-2	2788.60	825.00	13.12.85 31.03.93	परियोजना अवधि 31.3.93 को पूरी हुई।

(ख) इस सहायता के माध्यम से प्राप्त होने वाले संभावित मुख्य लाभ नीचे दिये गये हैं:—

(i) एकीकृत पनधारा परियोजना (मैदानी) से लाभ:—

अधिकतर लाभ, अन्य बातों के अलावा, कम लागत वाली तकनोलोजी को लागू करने से होगा जिसमें उन्नत भूमि संसाधन प्रबन्ध व्यवस्था को लागू करने के साथ वर्षा सिंचित क्षेत्रों में नमी संरक्षण संबंधी पहलूओं पर जोर दिया जाएगा। इस परियोजना के अंतर्गत प्रत्यक्ष लाभानुभोगी ग्रामीण निर्धन, सीमान्त, लघु तथा बड़े किसान और भूमिहीन मजदूर होंगे। ग्रामीण परिवारों के सदस्यों को सार्वजनिक भूमि में अतिरिक्त रोजगार से तथा उससे सृजित अतिरिक्त आय से लाभ होगा।

अप्रत्यक्ष लाभ, पर्यावरण में वृद्धि तथा उपचार की जाने वाली पनधाराओं में तथा पनधाराओं के सीधी दिशा में बहाव वाले कुछ प्राकृतिक संसाधनों के अवक्रमण के कम होने से होगा।

(ii) राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना-II से लाभ:—

इस परियोजना का मुख्य लाभ किसानों को, अनुसंधान केन्द्रों तथा उन्नतिशील किसानों के खेतों में प्राप्त किये गये परिणामों के आधार पर समुचित तथा अपनाई जाने योग्य तकनीकी सहायता देकर, प्रति हेक्टेयर अपनी कार्य उत्पादकता तथा निवल आय को बढ़ाने में सहायता करना था।

(ग) **(i) एकीकृत पनधारा परियोजना (मैदानी):—**

कृषि का विकास मुख्यतः मृदा संरक्षण, जल संग्रहण, वनीकरण, बागवानी, सिल्वी चारागाह फसल निदर्शन के लिए आदान किटों आदि के माध्यम से किया जाएगा।

(ii) राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना-II:—

(1) कृषि विस्तार संगठन को सुदृढ़ बनाना और विस्तार कर्मचारियों का उपयोग केवल तकनोलोजी के अन्तरण के लिए करना।

(2) नियमित पाक्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा विश्वविद्यालय परिसरों में मासिक कार्यशालाओं का आयोजन करके फील्ड तथा उप-मण्डलीय स्तर के विस्तार कार्मिकों के तकनीकी कौशल को बढ़ाना। देश में अखिल भारतीय स्तर के प्रशिक्षण केन्द्रों में विशिष्ट विषयों पर प्रशिक्षण देकर मध्यम स्तर के अधिकारियों के तकनीकी कौशल को भी बढ़ाया जाता है।

(3) संचार कौशल में सुधार करना जिससे अनुसंधान केन्द्रों में इजाद की गई अद्यतन कृषि उत्पादन टैक्नोलाजी तथा उन्नतशील किसानों के खेतों में निदर्शनों के माध्यम से प्रैक्टिसों और विस्तार मशीनरी के कांटेक्ट के सम्पर्क संबंधी कौशल को कम से कम संभव समय में सूचित किया जा सके।

(घ) जी, हां।

(ङ) एकीकृत पनधारा परियोजना (मैदानी) तथा राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना-II

परियोजना के क्रियान्वयन संबंधी शर्तें निम्नवत हैं:—

(क) अलग-अलग संघटकों के लिए सहायता की पद्धति।

(ख) बजट प्रावधान।

(ग) लेखांकन एवं लेखापरीक्षण व्यवस्था।

(घ) मध्यावधि समीक्षा।

Amount spent for total literacy campaign

1263. SHRI PASUMPON THA. KIRUTTINAN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the total amount earmarked and spent for total literacy campaign for the year 1994-95 and so far in 1995-96;

(b) the names of the States and districts where the total literacy campaign has been completed successfully so far;

(c) the names of the States and districts where the campaign is lagging behind; and

(d) the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE (KUMARI SELJA): (a) The total amount earmarked and spent for total literacy campaigns for the years 1994-95 and 1995-96 is as follows:

Year	Amount earmarked	Amount spent
		(Rs. in crores)
1994-95	154.75	155.00
1995-96	120.00	37.29
		(as of 30.11.95)

(b) to (d) The campaign approach, till now, has been most successful in the States and Union Territories having high literacy rates and positive indicators like strong primary education system adequate mobilisation of non-governmental organisations, and adequate academic and technical resource support. These are the States of Kerala, West Bengal, Karnataka, Tamil Nadu, and Goa and the Union Territories of Pondicherry and Chandigarh. During the past two years, the thrust of NLM has been on Hindi-speaking States of Bihar, Madhya Pradesh, Rajasthan and Uttar Pradesh where the progress of literacy campaigns is comparatively slow.

The reasons for the slow progress in these areas, inter alia, are large number of illiterates, relatively small number of volunteers, lack of literacy tradition/ movement, widening gender bias against women, low political commitment to the eradication of illiteracy, diverse socio-cultural factors, etc.

Threat to Monuments by Traffic movement at old Goa

1264. SHRI JOHN F. FERNANDES: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that very heavy traffic pass daily through the road at Old Goa Monument at Goa, which poses threat to the security and life of centuries-old monuments;

(b) whether Government are contemplating to have a new traffic plan; and

(c) if so, the authority which will execute this project and by when it will be commissioned;

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE (KUMARI SELJA): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The necessity of a road diversion has been brought to the notice of the State Government.